31.10.2019 दैनिक भास्कर

बचाएंगे पानी • तक्षशिला परिसर में निगम ने लगाया सिस्टम, चार लाख लीटर पानी एक बार में जमीन में पहुंचेगा

डीएवीवी में वॉटर हार्वेस्टिंग, 12 हजार छात्रों को नहीं होगा जलसंकट

भास्कर संवाददाता | इंदौर

डीएवीवी के तक्षशिला परिसर में वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाया गया है। इससे सभी 33 टीचिंग विभागों सहित तमाम होस्टलों में पूरे सालभर बोरिंग रिचॉर्ज रहेंगे। यही नहीं वाटर लेवल भी ऊपर आएगा। नगर निगम ने कैंपस में ही जवाहरलाल नेहरू होस्टल के सामने मैदान में चार बोरिंग कर जमीन से तीन मीटर नीचे नई तकनीक का सिस्टम लगाया है। यह सिस्टम जमीन का वॉटर लेवल सालभर मेंटेन रखेगा। एक बार में ही बारिश का चार लाख लीटर पानी इसमें आ जाएगा। हर बार इतना ही पानी जमीन में स्टोर हो सकेगा। इन चारों बोरिंग से पानी नहीं लिया जा सकेगा, बल्कि यह लाखों लीटर पानी स्टोर करने में मदद करेगा। इस सिस्टम को लगाने में चार माह का वक्त लगा। निगम ने इसके लिए यूनिवर्सिटी से कोई पैसा नहीं लिया। यूनिवर्सिटी का दावा है कि अब गर्मी में भी बोरिंग रिचार्ज रहेंगे। खास कर टीचिंग विभागों में पानी की समस्या खत्म हो जाएगी।

चार बोरिंग किए, तीन मीटर गहरा गड्ढा खोदकर बनाया बेस

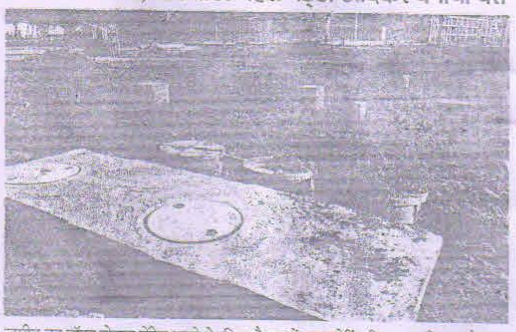

जमीन का वॉटर लेवल मेंटेन करने के लिए मैदान में चार बोरिंग किए गए। फिर इनके पास तीन मीटर गड्ढा खोदकर बेस बनाया गया। इस पर बजरी पैकिंग की गई। इसके लिए उस जगह का चयन किया, जहां पूरे कैंपस का बारिश का पानी एकत्र होकर पहुंचता है।

दावा- कम के कम 50 से 80 फीट तक ऊपर आ जाएगा वॉटर लेवल

तक्षशिला परिसर में 12 हजार से ज्यादा छात्र पढ़ रहे हैं। यहां 33 टीचिंग विभागों सहित कुल 40 विभाग हैं। इनमें 1 हजार से ज्यादा टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ कार्यरत है। अकसर गर्मी में 10 से 12 विभागों में बोरिंग सूख जाते हैं। इसी कैंपस में एक होस्टल, ऑडिटोरियम और मूल्यांकन केंद्र भी है। यूनिवर्सिटी के दोनों प्रमुख खेल मैदान भी यहीं हैं। ऐसे में गर्मी में खासकर मई-जून में पानी की खासी दिक्कत आती है, लेकिन अब दावा है कि इस सिस्टम के लगने के बाद पानी की कमी नहीं रहेगी। हालांकि कुछ विभागों में वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगा हुआ है, लेकिन वह पानी की जरूरत के हिसाब से कारगर नहीं था। प्रोजेक्ट प्रभारी डॉ. दीपक मेहता का कहना है कि इससे वॉटर लेवल कम के कम 50 से 80 फीट ऊपर आ जाएगा।

पत्रिका

सेमेस्टर परीक्षाएं 19 से कराई जाएंगी

इंदौर @ पत्रिका. देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने सेमेस्टर परीक्षाओं को समय पर कराने के लिए तैयारी शुरू कर दी है। इस बार ये परीक्षाएं 19 नवंबर से शुरू होंगी। इसके लिए टाइम टेबल गुरुवार को घोषित होंगे। दिसंबर तक परीक्षाएं खत्म कर परीक्षा परिणाम भी जल्द घोषित करने का प्रयास होगा। बुधवार को रजिस्ट्रार डॉ. अनिल शर्मा ने विवि में संबंधित विभागाध्यक्षों व परीक्षा नियंत्रक के साथ बैठक में तय किया कि इस बार समय पर परीक्षाएं आयोजित की जाएं।

संदेश 31.10.2019

नामांकन पर अब 100 रुपए विलंब शुल्क

इंदौर ● देअविवि में यूजी और पीजी के पहले सेमेस्टर के विद्यार्थियों के नामांकन की प्रक्रिया चल रही है। विवि की ओर से इसके लिए पंजीयन-नामांकन हेतु एमपी ऑनलाइन के माध्यम से प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को 1 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक का समय दिया गया था। अब 31 अक्टूबर से विलंब शुल्क 100 रुपए इस पर देना होगा। इसके अंतर्गत विवि ने दस्तावेजों के जमा करने के लिए 5 नवंबर तक का समय दिया है।

बीए-बीएससी आदि के लिए सामान्य शुल्क में 11 तक जमा होंगे आवेदन

इन्दौर ● देअविवि के अंतर्गत यूजी में 11 नवंबर तक सामान्य शुल्क में परीक्षा आवेदन जमा करने का निर्देश दिया गया है। इसके बाद विलंब शुल्क 100 रुपए में 15 नवंबर तक भी विद्यार्थी आवेदन जमा कर सकेंगे।

विवि की ओर से संलग्नित विद्यार्थियों को निर्देशित किया गया है कि स्नातक स्तर की वर्ष 2019 की बीए, बीएससी, बीएचएससी, बीकॉम, बीकॉम ऑनर्स के पहले और तीसरे सेमेस्टर (ऐटीकेटी) की परीक्षाएं नवंबर के अंतिम सप्ताह में प्रस्तावित है। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन सामान्य शुल्क में 11 नवंबर तक किया जा सकता है, तत्पश्चात विलंब शुल्क लगेगा।

इधर बीए-बीएससी सहित इन समस्त परीक्षाओं के 5वें सेमेस्टर (ऐटीकेटी) की परीक्षा भी नवंबर में ही होने की उम्मीद है इसके लिए 7 नवंबर तक सामान्य शुल्क में आवेदन जमा होंगे। इसके बाद विलंब शुल्क 100 रुपए के साथ यह मौका 11 नवंबर तक रहेगा।